दलहन के लिए अनुकूल है बुंदेलखंड की माटी: नरेंद्र सिंह

केंद्रीय कृषि मंत्री ने वैज्ञानिकों के कार्यों को सराहा, राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि थे मौजूद, कृषि विश्वविद्यालय में 17 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि बुंदेलखंड की माटी दलहन के लिए अनुकूल है। जिस बुंदेलखंड को अभी तक पिछड़ा एवं कम पानी वाला क्षेत्र बताया जाता था, वहीं बुंदेलखंड क्षेत्र दलहन उत्पादन में क्रांति लाकर पूरे देश में जाना जाएगा। शुक्रवार को यह बात उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं दलहन विकास निदेशालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में कही।

कार्यशाला का उद्देश्य किसानों की आय दोगुनी तथा पोषण सुरक्षा के लिए दलहन एवं तिलहन के उत्पादकता कैसे बढ़ाएं? था। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की संपूर्ण खेती उपजाऊ और खाद्यान्न क्षेत्र में बढ़ोतरी हो सके, इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों को अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन रिपोर्ट में न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने की बात कही गई है।

उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा चना पर आधारित तकनीकी बुलेटिन तथा कृषि जीवन के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया।

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति आवास का उद्घाटन करते केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर साथ में कुलपति प्रोफेसर अरविंद कुमार।

इस मौके पर कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने कहा कि यह विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में अपना योगदान दे रहा है और देता रहेगा। कुलाधिपति डॉ. पंजाब सिंह ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अद्वितीय साबित होगा। कुलपति प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा कि बुंदेलखंड में दलहन व तिलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय लगातार काम कर रहा है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा पास करने वाले छात्र- छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं। वर्तमान में देश के राज्यों के विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। सदर विधायक रवि शर्मा ने कहा कि यह कार्यशाला किसानों के लिए वरदान साबित होगी। दलहन क्षेत्र में निश्चित ही किसान आगे बढ़ेंगे। विधायक जवाहर लाल राजपूत ने कहा कि मटर का समर्थन मूल्य किसानों को मिलना चाहिए। प्रारंभ में स्वागत भाषण अधिष्ठाता डॉ. एसके चतुर्वेदी ने प्रस्तुत किया।

दलहन विकास निदेशालय भोपाल के निदेशक डॉ. एके तिवारी, राजमाता विजयाराजे सिंधिया के कुलपति डॉ. एसके राव, जबलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बीएस तोमर, डॉ. जेवी वैशंपायन, दलहन संस्थान कानपुर के निदेशक डॉ. एनके सिंह, डॉ. विजय यादव, डॉ. स्वराज सिंह मौजूद रहे। संचालन डॉ. अर्तिका सिंह, आभार डॉ. एके तिवारी व डॉ. एआर शर्मा ने व्यक्त किया।

महिला छात्रावास का किया उद्घाटन

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित महिला मनु छात्रावास और कुलपति आवास का उद्घाटन किया। छात्रावास में 180 छात्राओं के रुकते ही व्यवस्था की गई है। साथ ही नवनिर्मित ऐकेडमिक बिल्डिंग का अवलोकन किया।

किसानों ने देखी प्रदर्शनी

कार्यक्रम स्थल पर किसानों ने रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय विश्वविद्यालय, पशुपालन विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, भरारी, ताराग्राम, कृषि वानिकी अनुसंधान, वसुधा अमृत बुंदेलखंड नेचुरल उत्पादन, दलहन विकास निदेशालय, भोपाल एवं बुंदेलखंड चैंबर आफ कॉमर्स द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी को देखा।

जागरण अभियान
संयम बरतें–
अपनी लेन में चलें।

झाँसी जागर

उत्पादन की बजाय किसान की आय बढ़े : नरेन्द्र तोमर

दतिया में कृषि कॉलिज तथा ललितपुर में शोध व विकास संस्थान खोला जाए : अनुराग शर्मा

बुन्देलखण्ड में दलहन बढ़ाने के लिए कृषि वैज्ञानिक व किसानों को मिलकर काम करने की ज़रूरत

सतत उत्पादन प्रणाली, किसानों की आय दोगुनी तथा पोषण सुरक्षा के लिए दलहन की राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

झाँसी : रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आज दलहन व तिलहन को बढ़ाने के लिए हुई राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ केन्द्रीय कृषि, किसान कल्याण, ग्रामीण विकास व पंचायतीराज मन्त्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने किया। उन्होंने कृषि वैज्ञानिक, किसानों व जनप्रतिनिधियों से मिलकर किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमन्त्री के आह्वान को पूरा करने का आग्रह किया।

ग्रासलैण्ड स्थित सभागार में रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय व भारत सरकार के निदेशालय ऑफ पल्सेज़ डिवेलपमेण्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय कृषि मन्त्री ने कहा कि किसान की आमदनी बढ़ाने के लिए उत्पादन की बजाय आय बढ़ाने पर विचार करना होगा। उत्पाद को बड़े बाज़ारों में बेचने के साथ दूसरे देशों में निर्यात कराने की भी योजना बनानी होगी। दलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के विचार-विमर्श से किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिली है। जनप्रतिनिधियों को भी कृषि शोध संस्थानों के परिणामों को किसानों तक ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के समय बगैर

झाँसी : कार्यशाला का शुभारम्भ करते केन्द्रीय कृषि मन्त्री, साथ में उपस्थित सांसद, विधायक व कुलपति।

काँटा लगाए फ़सलों की ख़रीद हो जाती थी और किसानों को पता नहीं चलता था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के समय किसानों की फ़सल खरीदी जा रही है। केन्द्रीय कृषि मन्त्री ने कहा कि मध्यप्रदेश व उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड के सभी ज़िलों ने दलहन बढ़ाने के लिए झाँसी में सीड हब बनाने का काम किया है।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए सांसद अनुराग शर्मा ने कहा कि बुन्देलखण्ड में फ़सल का उत्पादन देश के दूसरे हिस्सों से 25 फीसदी कम है। पानी व मौसम आधारित कृषि व बुन्देलखण्ड की ज़मीन को देखते हुए प्रधानमन्त्री की किसानों की आय दोगुनी करने में कई दिक्कतें हैं। बुन्देलखण्ड में चना व मटर का सबसे अधिक उत्पादन होता है, और इसके लिए प्रसंस्करण व बाज़ार की उपलब्धता की समस्या का समाधान करना होगा। उन्होंने दतिया में कृषि कॉलिज तथा ललितपुर में शोध व विकास संस्थान खोलने की माँग भी की। विधायक रवि शर्मा ने कहा कि पहली बार बुन्देलखण्ड को समझने वाले केन्द्रीय कृषि मन्त्री देश को मिले हैं, जिससे इस क्षेत्र के किसानों को लाभ होगा। विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत ने कहा कि केन्द्र सरकार ने मटर का समर्थन मूल्य घोषित नहीं किया, जिससे किसानों को उत्पादन का लाभ नहीं मिल पा रहा। भारतीय कृषि शिक्षा व अनुसन्धान विभाग के सचिव/महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने कहा कि फ़सल उत्पादन बढ़ाने के लिए देश में 150 सीड हब बनाए गए हैं, जिसमें दलहन व तिलहन का सीड हब बुन्देलखण्ड में बनाया गया है। प्रदेश में 60 फीसदी चने का उत्पादन अकेले बुन्देलखण्ड में होता है। इस उत्पादन पर ध्यान देने की ज़रूरत है। कुलाधिपति डॉ. पंजाब सिंह ने कहा कि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय से यहाँ के किसानों को लाभ मिलेगा। भारतीय चरागाह व चारा अनुसन्धान केन्द्र के निदेशक डॉ. विजय यादव ने ग्रासलैण्ड के कार्यों की जानकारी दी। इसके पहले कुलपति प्रो. अरविन्द कुमार व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. एसके चतुर्वेदी ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर निदेशक दलहन विकास निदेशालय भोपाल डॉ एके तिवारी, राजमाता विजयाराजे सिन्धिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एसके राव, जबलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बीएस तोमर, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जेवी वैशम्पायन, निदेशक दलहन संस्थान (कानपुर) डॉ एनके सिंह, निदेशक कृषि उत्तर प्रदेश डॉ. स्वराज सिंह के साथ विभिन्न राज्यों के कृषि शोध संस्थान के निदेशक उपस्थित रहे। इस दौरान केन्द्रीय कृषि मन्त्री ने किसानों को तिलहन व दलहन के बीजों का निःशुल्क वितरण किया। उद्यान विभाग के अधिष्ठाता डॉ. एके पाण्डेय ने पौधारोपण कराया। इस अवसर पर पूर्व मन्त्री रविन्द्र शुक्ला, अरिदमन सिंह, भाजपा के ज़िलाध्यक्ष जमुना कुशवाहा, निदेशक शिक्षा डॉ. अनिल कुमार, कुलसचिव डॉ. मुकेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। डॉ. अर्तिका सिंह ने संचालन व डॉ. एआर शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इसके पहले केन्द्रीय कृषि मन्त्री ने कुलपति व महिला छात्रावास का लोकार्पण किया साथ ही केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के भवन के निर्माण का कार्य का निरीक्षण किया।

दैनिक स्वदेश दिनांक - 26.10.19
पेज नं. - 10

महानगर

नई तकनीकि किसानों तक पहुंचाएं : नरेन्द्र सिंह तोमर

झांसी। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास व पंचायतीराज मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि वैज्ञानिक लैब में किए गए शोध कार्यों और नई तकनीकि को किसानों के खेतों तक पहुंचाने का कार्य करें तभी प्रधानमंत्री का आह्वान 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। वह शुक्रवार को यहां रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति आवास व महिला छात्रावास का लोकापर्ण करने के बाद ग्रासलैंड के ऑडिटोरियम में पोषण सुरक्षा हेतु दलहन राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने कहा कि दलहन स्वास्थ के लिए महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही इसकी उत्पादकता के लिए अलग जलवायु की भी आवश्यकता होती है। यह जलवायु उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड के सभी जिलों में पायी जाती है। दलहन में हमारे देश की आत्मनिर्भरता नहीं है। इसको जब देश के प्रधानमंत्री ने समझा तो उन्होंने किसानों से आह्वान करते हुए दलहन उत्पादन के क्षेत्र में प्रगति की अपील की। अब उसके सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि जिस बुन्देलखण्ड को लोग पिछड़ा और अनउपजाऊ कहते हैं, उसका स्वर्णिम इतिहास रहा है। उसके बहादुरी भरे इतिहास को सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उसी बुन्देलखण्ड को पिछड़ा कहे जाने पर विश्वास नहीं होता। एक कालखण्ड था जब साधनों के अभाव में यह क्षेत्र विकास के पथ से कटा हुआ था। इसके चलते यहां विकास की किरण देर में आ सकी। अब ऐसा नहीं है। अब यह क्षेत्र विकास के नए आयामों से जुड़ा है। कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से यहां उन्नत ब्रीजों की उपलब्धता किसानों तक रहेगी। इससे उत्पादकता बढ़ेगी। हम चाहते हैं कि जब देश में जीडीपी की बात की जाए तो उसमें उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड की कृषि और खासतौर पर दलहन का उल्लेखनीय योगदान हो। देश में 150 सीड हब हैं। इनमें से 3 हब अब बुन्देलखण्ड की महारानी लक्ष्मीबाई कृषि विश्वविद्यालय में होंगे। उन्होंने कहा कि यह किसानों और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे सही सूचना सरकार तक पहुंचाएं। गलत ब्रीज की बिक्री और अमानत में खयानत करने वालों को जेल भिजवाने की भी जिम्मेदारी हमें निभानी है। प्राकृतिक,जीरो बजट व आर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जाए। इन सब तरीकों से किसानों की आय को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य के अनुसार 2022 तक दोगुना करना है। सरकार का पैसा किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो। उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन ने कहा था कि एमएसपी किसान की लागत की डेढ़ गुनी होनी चाहिए। यह सरल नहीं है। इसके लिए सरकार जितना एमएसपी बढ़ाएगी उतना ही भार सरकार पर बढेगा। खाद्यान की सब्सिडी का लाखों करोड़ रुपए का भार सरकार पर आता है। कृषि विज्ञान केन्द्र भले ही अपने कार्य कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि उनके साथ जुड़कर कम से कम 5 लाख किसानों को सेण्टर से जोड़े। वहीं सांसद अनुराग शर्मा ने किसान की आय दोगुनी करने के लिए बुन्देलखण्ड की फसल की वैल्यू एडीशन की बात की। उन्होंने कहा कि उन्नत बीज इसे 20 से 30 प्रतिशत ही बढ़ा सकेंगे जबकि वैल्यू एडीशन कर इसको कई गुना किया जा सकता है और खासतौर इसके लिए लैब से खेत तक तकनीकि पहुंचाने पर भी जोर दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा.त्रिलोचन महापात्रा ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय गुणवत्तायुक्त शिक्षा देकर बुन्देलखण्ड को कृषि में समृद्ध बनाएगा। वहीं कुलाधिपति डा.पंजाब सिंह ने क्षेत्र की जमीन को उपजाऊ बताते हुए कहा कि यदि 20 से 30 प्रतिशत सिंचाई की व्यवस्था बढ़ा दी जाए तो किसान की आय दोगुनी करने में सफलता मिल जाएगी। कुलपति डा.अरविन्द कुमार, सदर विधायक रवि शर्मा व गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने भी विचार व्यक्त किए। अतिथियों का स्वागत डीन डा.एसके चतुर्वेदी ने किया जबकि संचालन डा.वर्तिका सिंह ने किया। मंच पर डा.एके तिवारी भी मौजूद रहे। कार्यशाला में पूर्व मंत्री रविन्द्र शुक्ल,रामनरेश तिवारी व श्याम बिहारी गुप्ता समेत 14 राज्यों के कृषि वैज्ञानिक शामिल रहे।

दैनिक - आज दिनांक 26.10.17

पेज नं. 6

रानीलक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में दलहन , तिलहन पर हुई राष्ट्रीय कार्यशाल

(आज समाचार सेवा)

झांसी, २५ अक्टूबर। रानीलक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित एवं विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के साथ किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि नरेन्द्र सिंह तोमर केन्द्रीय कृषिमंत्री डॉ. तिलोचन महापात्रा, सचिव कृषि शिक्षा व अनुसंधान विभाग, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, डॉ. पंजाब सिंह कुलाधिपति, प्रो. अरविंद कुमार कुलपति, अनुराग शर्मा सांसद, डॉ. ए.के. तिवारी निदेशक दलहन विकास निदेशालय भोपाल, डॉ. एस.के. राव, राजमाता विजयाराजे सिंधिया के कुलपति, डॉ. बी.एस. तोमर, जबलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति विधायक गरौठा आदि रहे। बुंदेलखण्ड में रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत सरकार, दलहन विकास निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम बार इतनी बड़ी कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला का उद्देश्य किसानों की आय दुगनी तथा पोषण सुरक्षा के लिए दलहन एवं तिलहन के उत्पादकता कैसे बढ़ाये। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित महिला छात्रावास एवं कुलपति आवास का उदघाटन किया। महिला छात्रावास में १८० बिल्डिंग का भी निरीक्षण किया। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र तोमर ने सभी लोगों को शुभकामनायें दी एवं वर्तमान में जो राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आज तिलहन एवं दलहन पर आयोजित की गई तथा विभिन्न क्षेत्रों से आये हुये सभी कृषि वैज्ञानिकों का स्वागत किया। उनका मानना है कि किसानों के लिए इन वैज्ञानिकों ने जो अपना महत्वपूर्ण समय दिया है इससे निश्चित तौर पर बुंदेलखण्ड जो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से मिलकर बना है, एक नये आयाम पर पहुंचाने पर महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस क्षेत्र की सम्पूर्ण भूमी उपजाऊ हो जाये एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में लगातार योगदान दे रहे हैं। दलहन और बुंदेलखण्ड का नाता बताते हुये उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र दलहन उत्पादन हेतु अनुकूल है और जिस बुंदेलखण्ड को अभी तक पिछड़ा एवं कम पानी वाला क्षेत्र बताया जाता था वहीं बुंदेलखण्ड क्षेत्र दलहन उत्पादन में क्रांति लाकर पूरे देश में जाना जायेगा। उन्होंने अपने उदबोधन में डॉ. स्वामीनाथन रिपोर्ट का भी जिक्र किया किया जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने की बात कही गयी है। भाषण के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री योजना तथा किसानों की आय दुगनी करनी हेतु भारत सरकार द्वारा लिये गये फैसलों पर प्रकाश प्रकाश डाला। उन्होंने मंच पर उपस्थित सांसद एवं विधायक तथा अन्य जन प्रतिनिधि से आग्रह किया की विश्वविद्यालय एवं किसान विज्ञान केन्द्र द्वारा विकसित तकनीकिया अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचे तथा सुनिश्चित करें कि अधिक से अधिक किसान इन संस्थानों के संपर्क में रहे। डॉ. तिलोचन महापात्रा ने अपने उदबोधन में बताया कि यह विश्वविद्यालय यह कृषि क्षेत्र में अपना योगदान दे रहा हे और देता रहेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया और कहा कि भारत सरकार हमेशा कृषि विश्वविद्यालय के मदद के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक भारत सरकार द्वारा १५० सीड हब विकसित हो चुके हैं तथा पूरे भारत में बड़े पैमानों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के वजह से दलहन उत्पादन में यह क्रांति संभव हो पायी। कुलाधिपति डॉ. पंजाब सिंह ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना होना अपने आप में अद्वितीय साबित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रासलैण्ड में काफी समय तक निदेशक रहरक यहां की भूमि, जल, पेड़ पौधों एवं बीज आदि से पूर्णत: वाकिफ है। हमारे वैज्ञानिक इस क्षेत्र में दलहन के प्रोत्साहन के लिए कार्य कर रहे हैं और आगे निश्चित तौर पर किसानों की आय दुगनी होगी। अनुराग शर्मा सांसद ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने हेतु यह जरूरी है कि उत्पादित फसलों का समय मूलसंवर्धन और प्रस्संकरण की सुविधा इस क्षेत्र में विकसित की जाय तथा विश्वविद्यालय से आग्रह किया कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीकियों को किसानों के खेतों तक पहुंचाने को सुनिश्चित करें। मुख्यत: अपने भाषण के दौरान उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि विश्वविद्यालय के दो महाविद्यालय जो दतिया में निर्माणधीन है उनके लिए उपयुक्त आवंटित धनराशि जल्द से जल्द प्राप्त करायी जा सके जिससे महाविद्यालय के कार्य में प्रगति हो सके। उन्होंने बताया कि ललितपुर जिले में २०० एकड़ जमीन उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को आवंटित कर दी गयी है। विधायक रवि शर्मा ने बताया कि आज की गोष्ठी बुंदेलखण्ड के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। यह उनका मानना है कि दलहन के क्षेत्र में किसान निश्चित तौर पर आगे बढ़ेंगे। जवाहर लाल राजपूत विधायक गरौठा ने बताया कि बुंदेलखण्ड में मूंगफली उर्द मूंग आदि की फसलों से किसानों को इस क्षेत्र में विशेष दर्जा मिला है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मटर का समर्थन मूल्य किसानों को मिलना चाहिये। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि बुंदेलखण्ड में दलहन व तिलहन के उत्पादन बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय अग्रसित है तथा उन्होंने विश्वविद्यालय के भूमि पूजन से लेकर विश्वविद्यालय में कितने शोध व कृषि कार्य द्वारा किसानों को जो लाभ पहुंचाये गये है उसको विस्तार से प्रकाश डाला तथा यह भी बताया कि इस विश्विविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा पास कर छात्र-छात्रायें अध्ययन कर रहे हैं। वर्तमान में देश में १७ राज्यों से विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। कार्यशाला मंच पर मंत्री ने रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा चना पर आधारित तकनीकी बुलेटिन तथा कृषि-जीवन का द्वितीय संस्करण का विमोचन किया। कार्यशाला स्थल पर किसानों के लिए विभिन्न विभागों जैसे- रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, पशुपालन विभाग झांसी, कृषि विज्ञान केन्द्र भरारी, ताराग्राम, ओरछा, उद्यान विभाग, भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान झांसी कृषि वानिकी अनुसंधान झांसी, अमृत बुंदेलखण्ड नेचुरल उत्पाद, दल विकास निदेशालय भोपाल एवं बुंदेलख चौम्बर ऑफ कामर्स झांसी के द्वारा प्रदर्श लगायी गयी। कार्यक्रम का स्वागत वि विश्विविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि सं डॉ. एस.के. चतुर्वेदी ने किया। इस मौके डॉ. एन.के. सिंह निदेशक दलहन सं कानपुर, डॉ. विजय यादव भारतीय चार एवं अनुसंधान केन्द्र, डॉ. स्वराज सि निदेशक कृषि उत्तर प्रदेश सरकार महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, प्रदेश, तमिलनाडू सरकार के निदेशक पी.एम. गोर हैदराबाद मौजूद रहे। इस मौके केन्द्रीयमंत्री द्वारा किसानों को नि:शु तिलहन एवं दलहन के बीजों का वि किया गया।

उद्यान विभाग के अधिष्ठाता डॉ. ए पाण्डेय ने मंत्री से विश्विविद्यालय प्रांगण वृक्षारोपण कराया। इस अवसर पर रा शुक्ला पूर्वमंत्री उ.प्र. अरिदमन सिंह, ज कुशवाहा, डॉ. अनिल कुमार निदेशक डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, कुलसचि विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी वैज्ञानि विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचा डॉ. अर्तिका सिंह व उदघाटन समारोह आभार डॉ. ए.के. तिवारी ने व्यक्त किया। कार्यशाला के समापन अवसर पर आभार ए.आर. शर्मा निदेशक शोध ने व्यक्त किय

दैनिक - जागरण

पेज नं. - 2

दिनांक - 4 नवम्बर 2019

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के नए प्रशासनिक भवन का निरीक्षण करते केन्द्रीय कृषि मन्त्री (फाइल फोटो)

आकार ले चुका केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अब आकार ले चुका है। नया प्रशासनिक व शैक्षणिक भवन पूरी तरह बनकर तैयार है। पिछले दिनों केन्द्रीय कृषि मन्त्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने पूरे भवन का निरीक्षण कर इसके लोकार्पण को हरी झण्डी दे दी। इस भवन के लोकार्पण के लिए प्रधानमन्त्री को पहले ही आमन्त्रण दे दिया गया है, जो पीएमओ में विचाराधीन है। इस बीच, विश्वविद्यालय परिसर में महिला छात्रावास बनकर तैयार है। इससे देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाली छात्राओं को आवास की समस्या नहीं रहेगी। कुलपति आवास भी बन गया है और इस विश्वविद्यालय के पहले कुलपति नए आवास में रहने को चलेगी।